प्रश्नोत्तर पाठ 1 - पद (सूरदास)

कक्षा 10 हिंदी

अ क्षितिज भाग-2 - पद्य खंड

1 गोपियों द्वारा उद्धव को भाग्यवादन कहने में क्या व्यंग्य निहित हैं? CBSE 2014, 12, 10

उत्तर: गोपियों दारा उद्धव को भाग्यवाान कहने में यह व्यंग्य निहित है कि तुम तो बहुत दुभीग्यशाली हो, जो श्रीकृष्ण के साथ रहते हुए भी अभी तक उनसे प्रेम नहीं कर सके। नहीं तो उनका रूप ही ऐसा है कि उनके निकट रहकर करड़े हृदय वाले व्यक्ति के मन में भी उनके प्रति प्रेम उत्पन्न हो जाए। तुमने कभी प्रेम को जाना ही नहीं, इसलिए कृष्ण के प्रेम के धागे से वंचित रहे हो।

2 उद्धव के व्यवहार की तुलना किस-किस से की गई हैं? CBSE 2012,11 अथवा 'सूरदास' के पद के आधार पर लिखिए कि गोपियों ने किन उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए हैं। CBSE 2019

उत्तर: गोपियों ने उद्धव के व्यवहार की तुलना निम्नलिखित दो तत्वों से की है:

(i) एक पानी के अंदर रहने वाले कमल के उस पत्ते से, जो पानी में डूबा रहता है पर उस पर पानी की एक बूंद भी टिका नहीं पाया अर्थात् उस पर पानी की एक बूंद भी नहीं टिकती वो निद्दा के दाय-धब्बों से अछुता रहता है।

(ii) दूसरा जल में रखी हुई तेल की मटकी से, तेल की मटकी को जल में डुबोने से उस पर एक बूंद भी नहीं ठहरती अर्थात् अमित जिसकी एक बूंद पर भी जल का प्रभाव नहीं पड़ता।

3 गोपियों ने किन-किन उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए हैं? CBSE 2012, 11, 10

उत्तर: गोपियों ने निम्नलिखित उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए हैं:

(i) जिस प्रकार पानी के अंदर रहने वाला कमल का पत्ता पानी एवं कीचड़ से अछुता रहता है, उसी प्रकार तुम श्रीकृष्ण के साथ रहते हुए भी उनके प्रेम से अछूते हो।

(ii) वे कृष्ण से अपेक्षा करती थीं कि वे उनके प्रेम की मर्यादा को रखेंगे। वे उनके प्रेम का बदल प्रेम से देंगे, किंतु उन्होंने योग-संदेश भेजकर प्रेम की मर्यादा ही तोड़ डाली।

परीक्षा उपयोगी

- महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर
- CBSE पैटर्न पर आधारित
- आसान भाषा में समझें
- अच्छे अंक पक्का करें

Online Teaching With Nikita

STUDY SMART

प्रश्नोत्तर पाठ 1 - पद (सूरदास)

कक्षा 10 हिंदी

अ क्षितिज भाग-2 - पद्य खंड

4 **उद्धव द्वारा दिए गए योग के संदेश ने गोपियों की विरह अग्नि में घी का काम कैसे किया?** CBSE 2013, 12, 11, 10

उत्तरः गोपियों श्रीकृष्ण के प्रेम और विरह में पहले से ही व्याकुल हो रही थीं। उनके आंसू भी कि श्रीकृष्ण मथुरा से शीघ्र ही वापस लौट आएंगे, किंतु जब श्रीकृष्ण ने उनके लिए उद्धव के माध्यम से योग का संदेश भेजा तो उसने गोपियों की विरह अग्नि में घी का काम किया, क्योंकि वे तो श्रीकृष्ण के दर्शन करना चाहती थीं।

5 **'मरजादा न लही' के माध्यम से कौन-सी मर्यादा न रहने की बात की जा रही है?** CBSE 2016

उत्तरः कृष्ण ने गोपियों के प्रेम के महत्व को ठीक से नहीं समझा, इसी का परिणाम था कि उन्होंने गोपियों को प्रेम का संदेश भिजवाने की अपेक्षा उद्धव से योग का संदेश भिजवाया। यह गोपियों के प्रेम का अपमान था। गोपियों के प्रेम का तिरस्कार करके कृष्ण ने प्रेम की मर्यादा को तोड़ा।

6 **कृष्ण के प्रति अपने अनन्य प्रेम को गोपियों ने किस प्रकार अभिव्यक्त्त किया है?** CBSE 2012, 11, 10

उत्तरः कृष्ण के प्रति अपने अनन्य प्रेम को अभिव्यक्त्त करते हुए गोपियों ने कहा है –

(i) वे श्रीकृष्ण के प्रेम में उसी तरह बँधी हुई हैं, जैसे चींलियों गुड़ से चिपकी रहती हैं।

(ii) उनके लिए श्रीकृष्ण तो हारिल पक्षी की लकड़ी के समान हैं, जिन्हें उन्होंने मन, कर्म और वचन से अपने हृदय में बसाया हुआ है।

(iii) वे तो जागते-सोते, सपने में और दिन-रात कान्हा-कान्हा रटती रहती हैं।

7 **गोपियों ने उद्धव से योग की शिक्षा कैसे लोगों को देने की बात कही है?** CBSE 2012, 11, 10

उत्तरः गोपियों ने उद्धव से योग की शिक्षा ऐसे लोगों को देने की बात कही है, जिनका मन चकरी के समान चंचल है। उनका मन तो सदैव श्रीकृष्ण के प्रेम में ही रमा रहता है, इसलिए उन्हें योग की आवश्यकता नहीं हैं। यहाँ पर श्रीकृष्ण पर ही चंचल होना सबसे बड़ा व्यंग्य किया गया है, क्योंकि वे मथुरा जाकर उन्हें भूल गए थे।

परीक्षा उपयोगी

- ✅ महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर
- ✅ CBSE पैटर्न पर आधारित
- ✅ आसान भाषा में समझें
- ✅ अच्छे अंक पक्का करें

Online Teaching With Nikita

STUDY SMART BE BRIGHT

प्रश्नोत्तर पाठ 1 - पद (सूरदास)

कक्षा 10 हिंदी

अ क्षितिज भाग-2 - पद्य खंड

8 प्रस्तुत पदों के आधार पर गोपियों का योग-साधना के प्रति दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिए। **CBSE 2012, 11**

उत्तर: यहाँ गोपियों का योग-साधना के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण दिखाई देता हैं। उनके श्रीकृष्ण से अनन्य प्रेम था। उनके अनुसार, योग-साधना का महत्व तो उनके लिए होता हैं, जो जीवन से त्याग करते हैं। वे गोपियों श्रीकृष्ण से प्यार करती हैं। अत: वे योग का तुच्छ वस्तु समझती हैं। इसलिए वे कहती हैं योग का संदेश उन्हें सौंप दो जिनके मन चंचल हैं।

9 गोपियों के अनुसार राजा का धर्म क्या होना चाहिए? **CBSE 2012, 11**

उत्तर: गोपियों के अनुसार राजा का परम धर्म यह है कि वह अन्याय का विरोध करे और अपनी प्रजा को हर प्रकार के अन्याय से दूर रखे। जो राजा अपनी प्रजा पर अन्याय करता हैं या उसे अन्याय से नहीं बचाता, उसे राजा होने का कोई अधिकार नहीं हैं। राजा का परम धर्म यह हैं कि उसे अपनी प्रजा को नहीं सताना चाहिए।

10 गोपियों को कृष्ण में ऐसे कौन-से परिवर्तन दिखाई दिए जिनके कारण वे अपना मन वापस लेने की बात कहती हैं? **CBSE 2012, 11, 10,12**

उत्तर: श्रीकृष्ण द्वारा भेजे गए योग के संदेश को सुनकर गोपियों को लगाने लगा हैं कि उन्हें भूल गए हैं। वे पहले तो हर व्यक्ति को अन्याय से बचाते थे, अब वे उन पर ही अन्याय कर रहे हैं। वे तो पहले ही बहुत चतुर थे। अब तो उन्होंने राजनीति को भी पढ़ लिया हैं, जिससे उनकी बुद्धि बहुत बढ़ गई हैं। इस प्रकार उनमें बहुत से परिवर्तन आ गए हैं।

11 गोपियों ने अपने वाचनातुर्य के आधार पर ज्ञानी उद्दव को परास्त कर दिया, उनके वाचनातुर्य की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर: गोपियों के वाचनातुर्य की प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं –

(i) गोपियों व्यंग्य के माध्यम से उद्धव से कहती हैं कि तुम तो बहुत भाग्यशाली हो जो श्रीकृष्ण के साथ रहते हुए भी उनके प्रेम में नहीं डुब सके।

(ii) गोपियों श्रीकृष्ण के प्रेम में डूबी हैं, इसलिए उनकी बात की बातों को वे नहीं समझ पाती हैं। उनके लिए तो योग कड़वी ककड़ी के समान है।

परीक्षा उपयोगी

- ✅ महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर
- ✅ CBSE पैटर्न पर आधारित
- ✅ आसान भाषा में समझें
- ✅ अच्छे अंक पक्का करें

Online Teaching With Nikita

STUDY SMART BE BRIGHT

प्रश्नोत्तर पाठ 1 - पद (सूरदास)

कक्षा 10 हिंदी

अ क्षितिज भाग-2 - पद्य खंड

12 संकलित पदों को ध्यान में रखते हुए सूर के 'भमरगीत' की विशेषताएँ बताइए।

उत्तर: सूरदास मधुर तथा कोमल भावनाओं का मार्मिक चित्रण करने वाले महाकवि हैं।
सूर के 'भमरगीत' में अनुभूति और शिल्प दोनों का ही संयोग हुआ है।
इसकी मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं -

(i) श्रीकृष्ण के प्रेम की उदात्ता को प्रकट किया गया है, जिससे अछूदता रहना कठिन है।

(ii) श्रीकृष्ण की भक्ति को सांसारिक भावबाधा से मुक्ति का मार्ग बताया है।

(iii) श्रीकृष्ण की आराधना के माध्यम से सगुण एवं निर्गुण का भेद प्रकट करते हुए सगुण भक्ति को निर्गुण भक्ति से श्रेष्ठ सिद्ध करने का प्रयास किया है।

(iv) श्रीकृष्ण के माध्यम से जनता का शोषण करने वाले शासकों पर कटाक्ष किया है।

(v) 'भमरगीत' एक भाव-प्रधान गीतिकाव्य है।

(vi) 'भमरगीत' का कला-पक्ष अत्यंत सशक्त, प्रभावशाली और रमणीय है।

(vii) शुद्ध साहित्यिक ब्रजभाषा का प्रयोग हुआ है।

(viii) अनुप्रास, उपमा, हष्टांत, रूपक, अतिशयोक्ति अलंकारों का सुंदर प्रयोग किया गया है।

(ix) 'भमरगीत' की रचना 'पद' छंद में हुई है। इसके पद स्वयं में स्वतंत्र भी हैं और परस्पर संबंधित भी हैं।

(x) सूरदास कवि होने के साथ-साथ सुप्रसिद्ध गायक भी थे। यही कारण है कि 'भमरगीत' में भी संगीतात्मकता का गुण सहज ही दृष्टिगत होता है।

13 गोपियों ने उद्धव के सामने तरह-तरह के तर्क दिए हैं, अपनी कल्पना से और तर्क दीजिए।

उत्तर: गोपियों उद्धव के सामने श्रीकृष्ण के प्रेम को प्रमाणित करने के लिए निम्नलिखित अन्य तर्क दे सकती थीं –

(i) यदि श्रीकृष्ण के लिए योग इतना महत्वपूर्ण था, तो उन्होंने हमसे प्रेम क्यों किया?

(ii) जब हम श्रीकृष्ण से प्रेम करती हैं, तो निर्गुण ब्रह्म का ध्यान कैसे कर सकती हैं?

परीक्षा उपयोगी

- महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर
- CBSE पैटर्न पर आधारित
- आसान भाषा में समझें
- अच्छे अंक पक्का करें

Online Teaching With Nikita

STUDY SMART BE BRIGHT

प्रश्नोत्तर पाठ 1 - पद (सूरदास)

कक्षा 10 हिंदी

अ क्षितिज भाग-2 - पद्य खंड

14 उद्धव ज्ञानी थे, नीति की बातें जानते थे; गोपियों के पास ऐसी कौन-सी शक्ति थी, जो उनके वाक्चातुर्य में मुखरित हो उठी?

उत्तर: उद्धव ज्ञानी थे, नीति की बातें जानते थे। इनके विपरीत गोपियाँ सीधी-सादी, भोली-भाली थीं। उन्हें दुनिया की बातों से अधिक मतलब नहीं था। वे तो केवल श्रीकृष्ण के प्रेम रस में डूबी हुई थीं। यही वह शक्ति थी, जो उनके वाक्चातुर्य में मुखरित हो उठी और जिसने ज्ञानी उद्धव को भी परास्त कर दिया।

15 गोपियों ने यह क्यों कहा कि "हरि अब राजनीति पद आए हैं?" क्या आपको गोपियों के इस कथन का विस्तार समकालीन राजनीति में नजर आता है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: जब श्रीकृष्ण ने उद्धव के द्वारा गोपियों के लिए उनके प्रेम के बदले योग का संदेश भेजा, तो गोपियों को लगा कि हरि अब राजनीति पद आए हैं।

गोपियों के इस कथन का विस्तार समकालीन राजनीति में स्पष्ट रूप से नजर आता है। आज की राजनीति में नेता जनता को उनकी मुख्य मांगों से भटकाकर किसी और मुद्दे में लगाने का प्रयास करते हैं। नेता भोली-भाली जनता को धर्म तथा जाति के नाम पर मूर्ख बनाने का कार्य कर रहे हैं। वे भारतीय जनता का भावनात्मक शोषण करते हैं।

परीक्षा उपयोगी

- महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर
- CBSE पैटर्न पर आधारित
- आसान भाषा में समझें
- अच्छे अंक पक्का करें

Online Teaching With Nikita

STUDY SMART BE BRIGHT